647510 **BRS5HinF011B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov - 2024 (NEW COURSE)
F-11 Hindi Literature & Language Correction(Foundation-11)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न- १ निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दे । (सूचनानुसार) (१४)

(१) पत्रों के कितने प्रकार है ?
(२) ध्वनियों के मेल से बने सार्थक वर्णसमुदाय को क्या कहते है ?
(३) विदेशी शब्द के दो उदाहरण दीजिए ।
(४) अनुवाद की व्याख्या दीजिए ।
(५) साहित्य शब्द की व्याख्या दीजिए ।
(६) किसी को पत्र लिखने के लिए क्या महत्वपुर्ण है ।
(७) जो धर्म का आचरण करता है वह ।
(८) जहाँ लोगों का मिलन हो ।
(९) तद्भव शब्द के दो उदाहरण दीजिए ।
(१०) सुलभ शब्द का विरुद्धार्थी शब्द दीजिए ।
(११) सत्कार शब्द का विरुद्धार्थी शब्द दीजिए ।
(१२) कई रेलवे के कर्मचारीयों की गिरफतारी हुई । वाक्य का शुद्ध रूप दीजिए ।
(१३) भविष्य में होनेवाला ।
(१४) जो संगीत जानता है ।

प्रश्न- २ साहित्य शब्द का अर्थ देकर साहित्य की उपयोगिता उद्देश्य के बारे में चर्चा करे । (१४)

अथवा

प्रश्न- २ हिन्दी शब्द समुह, तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी- आदि शब्दों की उदाहरण देकर चर्चा करे ।

प्रश्न- ३ तिरुपती स्कूल में हिन्दी शिक्षक का पद रिक्त है, उस पद के लिए आवेदन पत्र का नमूना तैयार कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- ३ अच्छे अनुवादक के गुणों की चर्चा करें ।

प्रश्न- ४ निम्नांकित टिप्पणियों में से किन्हीं दो टिप्पणियों की विस्तृत चर्चा करे । (१४)

(१) अपने मुहल्ले में बिजली चली जाने पर PGVCL के मेनेजर को शिकायत पत्र लिखे ।
(२) अपने एक दिवसीय पर्यटन का वर्णन करता हुआ सामाजिक पत्र का नमूना तैयार कीजिए ।
(३) अनुवाद शब्द की व्याख्या देते हुए अनुवाद की उपयोगिता के बारे में लिखे ।
(४) बैंक में लोकर प्राप्त करने के लिए पत्र तैयार करें ।
(५) पत्रों के प्रकार बताकर पत्र की विशेषताएँ लिखे ।

प्रश्न- ५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करे । (१४)

आज हम ऐसा समाज देखते है, जिस में मनुष्य-मनुष्य में महान भेद है । एक ओर तो अटूट संपति है और महान दरिद्रता । कुछ लोग बिना काम किये विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं और कुछ लोग सुबह-शाम लगातार काम करते है फिर भी उन्हें जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती । यह न्याय की अवहेलना है । हम उस रिवाज को बदल देते है जो मनुष्य की मजबूरियों का फायदा उठाने और समाज में दरिद्रता तथा कलेश उत्पन्न करने की आज्ञा देता है । हमारा देश देशवासियों को सुख शांतिपूर्वक रहने के लिए काफी अनाज उद्योग उत्पन्न कर सकता है । प्रत्येक स्त्री और पुरुष को अपनी योग्यता का अधिक से अधिक विकास करने का अवसर मिलना चाहिए परंतु ऐसा करने में हमें अपने पुराने विचारों को भूल जाना पडेगा । सम्मान और श्रेष्ठता योग्यतानुसार और परिश्रम के द्वारा आने देना चाहिए, जाति-पाति के आधार पर नहीं । ना ही धनवान होने के आधार पर हम में से प्रत्येक को दूसरे को भाई समझना चाहिए - उँचा-नीचा नहीं, पुजापात्र या घृणापात्र नहीं । सबको समान अधिकार देना चाहिए ।

****